उद्देश्य

विश्वविद्यालय के उद्देश्य निम्नलिखित हैं :

- अखिल जगत की सर्वसाधारण जनता के एवं मुख्यतः हिन्दुओं के लाभार्थ हिन्दूशास्त्र तथा संस्कृत साहित्य की शिक्षा का प्रसार करना, जिससे प्राचीन भारत की संस्कृति और उसके उत्तम विचारों की रक्षा हो सके, तथा प्राचीन भारत की सभ्यता में जो कुछ महान तथा गौरवपूर्ण था, उसका निदर्शन हो।
- सामान्यतः कला तथा विज्ञान की समस्त शाखाओं में शिक्षा एवं अनुसंधान को बढ़ावा देना।
- भारतीय घरेलू उद्योगों की उन्नति और भारत की द्रव्य-संपदा के विकास में सहायक आवश्यक व्यावहारिक ज्ञान से युक्त वैज्ञानिक, तकनीकी तथा व्यावसायिक ज्ञान का प्रचार और प्रसार करना।
- धर्म तथा नीति को शिक्षा का आवश्यक अंग मानकर नवयुवकों में सुन्दर चरित्र का गठन करना।

महामना मालवीयजी की उच्च शिक्षा के साथ समन्वित नीति एवं मानवीय मूल्यों की दृष्टि को दिनों-दिन सृजित मूल्य-प्रोन्नयन नीति में वर्णित की गयी है। अपनी गुणवत्ता नीति के माध्यम से काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने एक गुणवत्ता मूलक कार्य प्रणाली विकसित की है जो गुणवत्ता परक शिक्षण-अध्ययन, अनुसंधान, दूरस्थ सेवायें और शिक्षण व संस्थानों के प्रबंधन के माध्यम से सिद्धान्तों, मार्गदर्शिकाओं और विधियों के क्रियान्वयन के लिए निरन्तर आन्तरिक और सर्वाधिक बाह्य क्रियाविधि का क्रियान्वयन कर रहा है। भारत की राष्ट्रीय पर्यावरण नीति के क्रम में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने स्थानीय एवं वैश्विक पर्यावरण के संरक्षण को प्रेरित करने और स्थानीय व वैश्विक पर्यावरण का संरक्षण सुधार क्रियाओं के माध्यम से संपोष्य विकास के लिए कटिबद्ध है।